January, 2015

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं
पूरक परीक्षा– 2007–08 से 2012–13 तक

ए ई एम– 205(बी) : टिकाऊ पशुधन–विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. आनुवंशिक जैव–विविधता के महत्व एवं इसके नाश के कारण व परिणाम को स्पष्ट कीजिए।
2. टीका–उत्पादन, रोग–निर्णय एवं उपचार में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
3. अपने क्षेत्र में दिखाई देनेवाली पशुओं की प्रमुख संक्रामक बीमारियाँ क्या–क्या हैं? संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण में आनेवाली सामान्य नीतियों और प्रक्षेत्र समस्याओं पर चर्चा कीजिए।
4. टिकाऊ आजीविका सुरक्षा में पशुधन की भूमिका एवं कार्यों को स्पष्ट कीजिए।
5. पोषक तत्वों का प्रबंधन क्या है? दुधारू गाय एवं बछड़ों के लिए आवश्यकता का पोषक तत्वों की संक्षेप में वर्णन कीजिए।
6. गाय एवं बैल के प्रमुख नस्लों (तीन–तीन) एवं उनके प्रबंधन पर चर्चा कीजिए
7. निम्नलिखित में किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   अ) मिश्रित खेती में फसल–पशुधन का पारस्परिक संबंध
   आ) खाद का जैविक उपचार
   इ) पशुधन के उत्पादन में देशी तकनीकी ज्ञान
8. निम्नलिखित में किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   अ) सहीवालगाय
   आ) मुर्रा भैंस नस्ल
   इ) स्तन–सूजन
   उ) संगरोध
   ऊ) एन सी एफ आर के लक्षण
   ऋ) रोगवाहकों का नियंत्रण (वेक्टर नियंत्रण)

******

December, 2014

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)

द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं पूरक परीक्षा – 2007–08 से 2012–13 तक

ए ई एम – 205(बी) : टिकाऊ पशुधन–विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. मिश्रित खेती के विभिन्न साधनों पर उपयुक्त उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
2. अनुवांशिक जैव–विविधता के महत्व एवं आसन्न नाश के कारण एवं परिणाम को स्पष्ट कीजिए।
3. अपने राज्य के परंपरागत पशुधन उत्पादन प्रणाली का वर्णन कीजिए। पशुधन के उत्पादन को सुधारने की समस्याओं और नीतियों पर चर्चा कीजिए।
4. अपने क्षेत्र में दिखाई देनेवाली बीमारियाँ क्या–क्या हैं? संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण में आनेवाली सामान्य नीतियों और प्रक्षेत्र समस्याओं पर चर्चा कीजिए।
5. टिकाऊ आजीविका सुरक्षा में पशुधन की भूमिका एवं कार्यों को स्पष्ट कीजिए।
6. विभिन्न चारा–संसाधन क्या–क्या हैं? अपरंपरागत चारा–संसाधनों के उपयोग के महत्व, विशेषताओं और इसमें आनेवाली बाधाओं को स्पष्ट कीजिए।
7. (क) पशुधन–उत्पादन में देशी तकनीकी ज्ञान

   (ख) टीका एवं रोग–निर्णय में जैवप्रौद्योगिकी का प्रयोग
8. (क) मिश्रित खेती में फसल–पशुधन का परस्पर संबंध

   (ख) खाद का जैविक उपचार

******

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
परीक्षा– जुलाई, 2014

पाठ्यक्रम 205 बी : टिकाऊ पशुधन–विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 समय : 2½ घंटे

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. भारतीय संदर्भ में वर्षा–आधारित कृषि–पारिस्थितिकी में टिकाऊ पशुधन विकास की रणनीतियों का वर्णन कीजिए।
2. गैर–परंपरागत चारा संसाधन क्या–क्या हैं तथा टिकाऊ पशुधन विकास में इसके महत्व का वर्णन कीजिए।
3. टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा प्राप्त करने के लिए पशुधन उद्यम की भूमिका एवं कार्य क्या–क्या हैं?
4. पशुधन में संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण की विभिन्न रणनीतियों का उल्लेख कीजिए।
5. देशी तकनीकी ज्ञान की अवधारणा स्पष्ट कीजिए तथा टिकाऊ पशुधन–विकास में देशी तकनीकी ज्ञान के महत्व पर चर्चा कीजिए।
6. पोषण प्रबंधन के महत्व पर चर्चा कीजिए। दूध देनेवाली गायों के लिए आवश्यक पोषक तत्व क्या–क्या हैं तथा उन्हें चारा देने की तालिका बनाइए।
7. जैव–विविधता को प्रभावित करनेवाले निकट कारण क्या–क्या हैं? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए कि पशुधन–जैवविविधता को भविष्य के लिए कैसे बचाकर रखा जा सकता है?
8. निम्नलिखित में किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त रूप में वर्णन कीजिए :

   (क) टिकाऊ फसल–पशुधन प्रणाली के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली के साधनों का प्रयोग।
   (ख) जैव–सुरक्षा का महत्व एवं पशुधन में इसके प्रबंधन के बारे में लिखिए।
   (ग) दुधारू पशुओं में पानी की आवश्यकता का वर्णन कीजिए।
   (घ) पशुपालन और हरित गृह गैस

******

MANAGE मैनेज

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)

विशेष पूरक परीक्षा – दिसंबर 2013

पाठ्यक्रम 205(बी) : टिकाऊ पशुधन–विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. मिश्रित कृषि प्रणाली के विभिन्न साधन क्या–क्या हैं? प्रत्येक का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
2. टीका निर्माण, रोग–निदान एवं उपचार में जैवप्रौद्योगिकी की भूमिका को संक्षिप्त रूप में स्पष्ट कीजिए।
3. (अ) खाद के जैविक उपचार का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

   (आ) खाद के रासायनिक उपचार का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
4. भारतीय संदर्भ में वर्षा–आधारित कृषि–पारिस्थितिकी प्रणाली में टिकाऊ पशुधन विकास के बारे में लिखिए।
5. पोषण प्रबंधन का महत्व क्या है? दूध देनेवाली गायों एवं बछड़ों की पोषक–आवश्यकता का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
6. टिकाऊ ग्रामीण पशुधन सुरक्षा में पशुधन की भूमिका एवं कार्यों की प्रमुख भूमिका क्या–क्या हैं? उनका संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
7. निम्नलिखित में किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) देशी तकनीकी ज्ञान एवं पशुधन में इसका महत्व

   (ख) सहीवाल गाय

   (ग) मुर्रा बैल नस्ल

   (घ) भारतीय देशी मवेशियों के ह्रास के कारण
8. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) स्तनशोथ

   (ख) संगरोध

   (ग) बछड़ा परिमार्जन

   (घ) रोगवाहक का नियंत्रण

******

कृषि विस्तार प्रबंधन – 205–बी (एस)

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)

पूरक परीक्षा (Sept.2013)

पाठ्यक्रम 205(बी) : टिकाऊ पशुधन–विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. टिकाऊ ग्रामीण आविका में पशुधन–पालन की भूमिका का वर्णन कीजिए। उपयुक्त उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
2. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुधन के महत्व को उचित उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
3. निम्नलिखित में किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) स्तनशोथ (mastitis) और इसका नियंत्रण
   (ख) जैवविविधता के मुद्दे
   (ग) जैव–सुरक्षा प्रबंधन
   (घ) कृषि प्रदूषक
   (ङ) फसल–पशुधन पारस्परिक क्रिया
4. निम्नलिखित में किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) पशुधन पर जलवायुन–परिवर्तन का प्रभाव
   (ख) पशुधन में देशी तकनीकी ज्ञान
   (ग) बछड़ा परिमार्जन
   (ङ) भौगोलिक सूचना प्रणाली और पशुधन–विकास
5. टिकाऊ पशुधन–विकास में गैर पारंपरिक चारा संसाधनों के प्रमुख स्रोत का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
6. पशुधन को स्वाभाविक रूप से प्रभावित करनेवाली मुख्य संक्रामक बीमारियाँ क्या–क्या हैं? इनके नियंत्रण के लिए अपनाई जानेवाली रणनीतियों क्या–क्या हैं?
7. पशुधन–उत्पादन में जैवप्रौद्योगिकी साधन और तकनीक के सक्षम प्रयोग क्या–क्या हैं?
8. मिश्रित खेती प्रणाली स्पष्ट कीजिए। आपके क्षेत्र में मौजूद मिश्रित खेती प्रणाली को एक उदाहरण के रूप में लेते हुए मिश्रित खेती के लाभ एवं इसकी कमियाँ स्पष्ट कीजिए।

***

कृषि विस्तार प्रबंधन – 205–बी (एस)

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
अंतिम परीक्षा, प्रथम सत्र 2011–12 (अगस्त 2012)

पाठ्यक्रम 205(बी) : टिकाऊ पशुधन–विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 | समय : 2½ घंटे

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. पशुधन–उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में बताइए, जहाँ जैवप्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग किया जाता है?

2. संक्रामक बीमारियों के नियंत्रण की रणनीतियों पर चर्चा कीजिए।

3. आई टी के (ITKs) की अवधारणा और महत्व को स्पष्ट कीजिए। टिकाऊ पशुधन–विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रलेखित विभिन्न आई टी के क्या–क्या हैं?

4. भारत में पशुधन–क्षेत्र की वृद्धि से संबंधित मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

5. टिकाऊ ग्रामीण–आजीविका–सुरक्षा में पशुधन की भूमिका और कार्य को स्पष्ट कीजिए।

6. मिश्रित खेती के विभिन्न माध्यमों का उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

7. पशुधन–अपशिष्ट–प्रबंधन का क्या महत्व है? रोगवाहक को कम करने की विभिन्न विधियाँ, जिनका आप समर्थन करते हैं, क्या–क्या हैं?

8. निम्नलिखितों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) जैव–विविधता के मुद्दे

   (ख) एन सी एफ आर की विशेषताएँ

   (ग) पशु–पालन और हरित गृह गैस

   (घ) भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी आई एस) एवं पशुधन विकास

***

NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT, HYD-30.
MANAGE